

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

# एकता का महाकुम्भ



## एकता का महाकुम्भ

सनातन संस्कृति

► विश्व की आस्था का केंद्र और विश्व एकता का प्रतीक बना महाकुम्भ, सनातन संस्कृति से अभिभूत हजारों विदेशी श्रद्धालुओं ने लगाई गगा में दुबकी, धर्म और आध्यात्म को लेकर अभिभूत हैं विदेशी, सनातन से ले रहे प्रेरणा

► संगम पर स्पौति, जर्मन, राशियन और फ्रेंच में गूंजे जय श्री राम, हर हर गगे के जयकारे

में सद्भावना हो ' का उत्थोष और सामाजिक संरक्षण की चिंता है। पहली बार अखड़ों ने जिस तरह से पर्यावरण की चिंता को अपनी बैठकों और छवियां प्रवेश यात्रा में स्थान दिया गया वह इसी का संकेत है।

में सभी एकता और समन्वय को भी स्थान दिया गया है जो महाकुम्भ में हो संभव लगता है। शिविर, आयोजन में विश्व कल्याण और प्राणियों की सद्भावना का उद्घाष्टण महाकुम्भ में तंतुओं में एक महीने तक रहकर संभव और त्याग के साथ जप, तप और साधना करने वाले कल्पवासियों की संख्या 7 लाख से अधिक है। उसी की प्रेरणा से अवधारणा पर टिकी है। उसी की संख्या से अवधारणा का हिस्सा है जो कृषि प्रधान भारत का प्रतिनिधित्व करता है। इसी महाकुम्भ में डोम सिटी और निजी टैट सिटी में रहकर पुण्य की दुबकी लगाने आने वाला अधिजात्य वर्षी भी है। लेकिन सभी पुण्य अर्जित अर्जित करने का भाव लेकर आए हैं। इस संकल्प

के महाकुम्भ के रूप में स्थापित करता है।

व्यक्ति नहीं समष्टि को साथ लेकर चलने का संकल्प है महाकुम्भ

पौरींगिंगा के साथ शुरू हुए प्रयागराज महाकुम्भ में सबको साथ लेकर चलने का संकल्प दिखता है। महाकुम्भ में तंतुओं में एक महीने तक रहकर संभव और त्याग के साथ जप, तप और साधना करने वाले कल्पवासियों की संख्या 7 लाख से अधिक है। महाकुम्भ में एक महीने तक तंतुओं में एक रहकर संभव और त्याग के साथ जप, तप और साधना करने वाले कल्पवासियों की संख्या 7 लाख से अधिक है। उसी की प्रेरणा से अवधारणा पर टिकी है। उसी की संख्या से अवधारणा का हिस्सा है जो कृषि प्रधान भारत का प्रतिनिधित्व करता है। इसी महाकुम्भ में डोम सिटी और निजी टैट सिटी में रहकर पुण्य की दुबकी लगाने आने वाला अधिजात्य वर्षी भी है। लेकिन सभी पुण्य अर्जित अर्जित करने का भाव लेकर आए हैं। इस संकल्प

में भी एकता और समन्वय को भी स्थान दिया गया है जो महाकुम्भ में हो संभव लगता है। शिविर, आयोजन में विश्व कल्याण और प्राणियों की सद्भावना का उद्घाष्टण महाकुम्भ सनातन का पवर और गव है। वह सनातन संस्कृति जो वसुधेव कुटुंबकम् की अवधारणा पर टिकी है। उसी की प्रेरणा से महाकुम्भ में अखड़ों, साथु संतों और संस्थाओं के आयोजन में भी केंद्र में व्यक्ति नहीं समष्टि है, समस्त मनवाता है।

श्री पंच दशनाम आवाहन अखड़े के आचार्य महामंडलशक्ति स्वप्नी अरुण गिरी कहते हैं कि महाकुम्भ में स्थापित हर शिविर और आयोजन में हर पूजा-प्रथाना में 'विश्व का कल्याण हो, प्राणियों

में सद्भावना हो' का उत्थोष और सामाजिक संरक्षण की चिंता है। पहली बार अखड़ों ने जिस तरह से पर्यावरण प्रदूषण की चिंता को अपनी बैठकों और छवियां प्रवेश यात्रा में स्थान दिया गया वह इसी का संकेत है।

टीम एकशन इंडिया  
महाकुम्भमार्ग: विदेशी के पावन तट पर महाकुम्भ की शुरूआत भारत की सनातन परंपरा का उद्घास और विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समाप्ति का शंखनाद है। इसके अंदर अंतर्निहित है अनेकता में एकता का वह संदेश जो महान भारतीय संस्कृति का मूल है। महाकुम्भ एक धार्मिक आपोनन का पवर मात्र नहीं है। अस्था और अध्यात्म के इस महापर्व में शैव, वैष्णव और उदयसीन भक्ति धाराओं का मेल होता है। महाकुम्भ में शैव परंपरा के अंतर्निहित आपोने वाले सात अखड़ों, वैष्णव परंपरा का अनुगमन करने वाले तीन अखड़ों के साथ उदयसीन संप्रदाय की विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री पंचायती अखड़ा बड़ा

उदयसीन और नया उदयसीन अखड़ा निर्वाण का संपाद होता है। इसी तरह श्री पंचायती अखड़ा निर्वाण की संज्ञाना और संवाधार के गुरुओं की वाणी यहां सभी अखड़ों को साथ लेकर विभिन्नता में एकता का संदेश देती है। एकता के महाकुम्भ का भाव भी इसी में सम्प्लित है।

।

कल्पवास की परम्परा में मिटी असमानता और

।

वसुधेव कुटुंबकम् का विचार लेकर सबको अपने में समानित कर लेने वाले सनातन के इस महापर्व में जातीय भेदभाव, छात्रावृत्त, ऊंच-नीच सब अप्राप्यांगिक हो जाते हैं। सभी जाति से जुड़े अमेरी गरीब एक साथ मिलकर यहां पुण्य की दुबकी लगाते हैं। पौरींगिंगा से शुरू हुए प्रयागराज महाकुम्भ के साथ यहां कल्पवास की शुरूआत हुई है। महाकुम्भ में एक महीने तक तंतुओं में एक रहकर संभव और त्याग के साथ जप, तप और साधना करने वाले कल्पवासियों की संख्या 7 लाख से अधिक है। महाकुम्भ में एक महीने तक तंतुओं में एक रहकर संभव और त्याग के साथ जप, तप और साधना करने वाले कल्पवासियों की संख्या 7 लाख से अधिक है। उसी की प्रेरणा से अवधारणा पर टिकी है। उसी की संख्या से अवधारणा का हिस्सा है जो कृषि प्रधान भारत का प्रतिनिधित्व करता है। इसी महाकुम्भ में डोम सिटी और निजी टैट सिटी में रहकर पुण्य की दुबकी लगाने आने वाला अधिजात्य वर्षी भी है। लेकिन सभी पुण्य अर्जित अर्जित करने का भाव लेकर आए हैं। इस संकल्प

## पीएम ने सोनमर्ग टनल का इनॉर्गरेशन किया

वादा निभाता हूं: पीएम मोदी, उमरीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहूट का वादा भी पूरा होगा : उमर

टीम एकशन इंडिया

श्रीनगर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार के जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में जेड मोड़ टनल का इनॉर्गरेशन किया। श्रीनगर-लहू हाइवे एनएच-1 पर बनी 6.4 किलोमीटर लंबी डबल लेन टनल श्रीनगर को सोनमर्ग से जोड़ रही। टनल बनने से लोगों का अलावा इनका इनॉर्गरेशन किया। टनल बनने से जोड़ रही। अखड़ा एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। आपका मायिये ये मैंने भी है। वादा करता है तो निभाता है। हर कम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम की जाती है। उत्तर, राज्य, राज्य के सोपान उपर अद्वितीया ने कहा कि उमरीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहूट का वादा भी पूरा होगा। जेड मोड़ टनल के इनॉर्गरेशन के बाद श्रीनगर-लहू हाइवे पर गणगांगी से सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी अब 15 मिनट में पूरी होगी। इसके



वादा निभाता हूं: पीएम मोदी, उमरीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहूट का वादा भी पूरा होगा : उमर

अलावा गाड़ियों की स्पीड भी 30 किमी/घण्टा से बढ़कर 70 किमी/घण्टा हो जाएगी। दूर्गम पहाड़ी वाले इस इनॉर्गरेशन के क्रांक सर्कने में फहले 3 से 4 घंटे का समय लगता था। अब वह दूरी मात्र 45 मिनट में पूरी होगी।

सोनमर्ग टनल से लोगों की जिंदगी आसान होगी। पीएम मोदी ने 27 मिनट के भाषण में कहा— जम्मू-कश्मीर की लदाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। इससे सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। जेड मोड़ टनल के इनॉर्गरेशन के बाद श्रीनगर-लहू हाइवे पर गणगांगी से सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। अखड़ा एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। आपका मायिये ये मैंने भी है। वादा करता है तो निभाता है। हर कम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम की जाती है। उत्तर, राज्य, राज्य के सोपान उपर अद्वितीया ने कहा कि उमरीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहूट का वादा भी पूरा होगा। जेड मोड़ टनल के इनॉर्गरेशन के बाद श्रीनगर-लहू हाइवे पर गणगांगी से सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। अखड़ा एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। इससे सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। जेड मोड़ टनल के इनॉर्गरेशन के बाद श्रीनगर-लहू हाइवे पर गणगांगी से सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। अखड़ा एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। आपका मायिये ये मैंने भी है। वादा करता है तो निभाता है। हर कम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम की जाती है। उत्तर, राज्य, राज्य के सोपान उपर अद्वितीया ने कहा कि उमरीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहूट का वादा भी पूरा होगा। जेड मोड़ टनल के इनॉर्गरेशन के बाद श्रीनगर-लहू हाइवे पर गणगांगी से सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। अखड़ा एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। इससे सोनमर्ग के बीच एक घंटे की दूरी में जाना जाएगा। अखड़ा एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। आपका मायिये ये मैंने भी है। वादा करता है तो निभाता है। हर कम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम की जाती है। उत्तर, राज्य, राज्य के सोपान उपर अद्वितीया ने कहा कि उमरीद है जम्मू-कश्मीर के स्टेटहूट का वादा भी पूरा होगा। जेड मोड़ टनल के इनॉर्गरेशन के बाद श्रीनगर-















# समाधान शिविर में अपनी समस्याओं के समाधान के प्रति नागरिक संतुष्ट: डॉ. पंकज

टीम एक्शन इंडिया

पानीपत, (कमाल हुसैन) हारियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह की नायब पहले ने जनता समाधान शिविर में नागरिकों के मन को पूरी तरह से जीत लिया है। एक अटट विश्वास लोगों में प्रशासन के प्रति बना है। इस सबके पीछे मुख्यमंत्री की दूरगमी सोच व प्रशासनिक अधिकारियों की मेहनत है।

सोमवार को जिला सचिवालय में आयोजित नियोग एवं समाधान शिविर की अवधिकारी करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. पंकज ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं के समाधान के प्रति नागरिक पूरी तरह से संतुष्ट हैं।



अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का एक बार पंजीकरण हो जाता है तो उसका समाधान देर सवेरे जरूर होता है। समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का जिस तीव्र गति से समाधान हो रहा

है उससे लोगों में खुशी का बातावरण बन गया है।

अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर समाधान शिविर में पहुंचे व कामशिय करें कि शिविर में नागरिकों को समाधान शिविर में न आना पड़े।

## शिविर का लाभ

► अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर समाधान शिविर में पहुंचे।

नागरिकों की समस्याओं के समाधान में देरी न हो। उन्होंने कहा कि ये समाधान शिविर जनता की समस्याओं का माल समाधान करने को लेकर आयोजित किये जा रहे हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि भविष्य में नागरिकों को समाधान शिविर में न आना पड़े।

इसका भी हमें विशेष ध्यान रखना है और इस पर भी नियमनीकरण करनी है कि विशेष में कुछ ऐसा न हो कि लोगों को फिर दबाव में आना पड़े। उनकी हार समस्या का समाधान के पूरी तरहता से करें।

समाधान शिविर में कांपणुरा रेजिडेंट्स वेलफेयर एंजीनियरिंग सेजय पार्क में बिजली विभाग से संबंधित समस्या रखी। उन्होंने बताया कि फ्रांसार्समें लिए जाने वाली विभागी के पांच खड़े किये हैं वे लोगों के लिए भविष्य में बड़ी आपदा बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि गत दिवस एक बच्चे को करंट लाने का हादसा हो चुका है। इसकी पुनरावृत्ति न हो देश में रोशन किया है। योगी 7

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत: झारखड़ के रंगी में हुई

नेशनल स्कूल एथलेटिक्स

चैम्पियनशिप में दो गोल्ड मेडल

जीतकर लौटे रायपुर गांव के अरुण

व उनके कोच की ग्रामीणी को जोदार

स्वागत किया। वर्षा ने अंडर-19 में

3 हजार मीटर दौड़ में नेशनल स्कूल

गेम्स में 8 मिनट 09 सेकंड 25

मिलीसेकंड में नाया रिकॉर्ड दर्ज किया

है। स्वागत समारोह में सोनीपत के

आजपा जिला अध्यक्ष जसवीर

वोद्धा वा भजपा प्रदेश अध्यक्ष

मोहन लाल बड़ौली के बैठकें

बड़ौली ने बतायी मुख्य अतिथि

शिरक की ओर अरुण की

उपलब्धि और उनके कोच के प्रयासों

की समरहा की। उन्होंने कहा कि गत दिवस एक बच्चे

को करंट लाने का हादसा हो चुका है। इसकी पुनरावृत्ति न हो

देश में रोशन किया है। योगी 7

जनवरी को झारखड़ के रंगी में हुई

68वीं नेशनल स्कूल एथलेटिक्स

चैम्पियनशिप में अरुण ने अंडर-19

आग्यवंश की 3 हजार मीटिंग 43

सेकंड 48 मिलीसेकंड पूरी की।

मुख्य अतिथि जसवीर व बैठकें

बड़ौली ने अपन संबोधन में कहा कि

खिलाड़ी किसी परिवार वा गांव का

नहीं होता, वह पूरे समाज का होता

है।

ग्रामीणों ने अरुण को समानित करने के

काम किया है। इससे सकारात्मक संदेश जाता

है।

ग्रामीणों ने अरुण को समानित करने के

काम किया है। इससे समाज में न

सिर्फ सकारात्मक संदेश जाता है

बल्कि खिलाड़ी का भी है।

उपरान्त अरुण की जीत के पीछे

उपरान्त कोच का मार्शिन और



ध्यात्मिक दिल है। ठंडा है, लेकिन दिल गर्माहट से भर करने की कोशिश करनी चाहिए। महाकुम्भ में स्नान के बाद दिव्यता की अनुभूति हो रही है।' स्पेन से

महाकुम्भ में स्नान के लिये आय, वासुदेव ने कहा कि, 'मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे यहां आना हमेशा अच्छा लगता है। पवित्र शुरू हुआ है और 26 फरवरी तक चल चलेगा। यह महाकुम्भ 144 सालों बाद आया है।

इसके बाद एड़ाजा, जलालाधिकारा और अपर पुलिस आयुक्त ने हरी झण्डी दिखाकर श्रद्धालुओं से भरी बस, टेम्पो व ई रिक्षा को रखाना व व्यवहार में शालीन

## शिक्षक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

औरैया

सिद्धार्थ नगर के दिन गंगा ब्रह्मलीन श्री 108 पर श्री स्वामी क्रम में वेदपारायण गत्रों द्वारा सम्पादण या। वेदशाखाओं व छात्रों को संस्था के मध्ययन का महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों को पुरस्कार देने कि परिसर में मीजी महाराज के आत की गई। के मंत्रों के साथ गत्रों द्वारा अपने अपने पश्चात विद्वान वेद इ। कार्यक्रम का नन बड़ी संख्या में गाठ प्रतियोगिता में, तृतीय विष्णुदेव स्थान प्रांजल रहे। सामवेद, द्वितीय रुद्र मिश्र, प्रथम स्थान पर एडेय रहे। संस्कृत द्वितीय आदर्श में प्रमुख रूप से गाल न्यायाने, जीवन विश्व मिश्र, शिवानंद न, अविनाश ओझा

एवं गंगा की स्वच्छता पर

टीम एक्शन इंडिया

महाकुम्भ नगर: महाकुम्भ के प्रथम पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर घाटों की सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता का सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में गंगा सेवा दूत तैनात रहे। घाटों पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना के दौरान जैसे ही पुष्प अर्पित किए जाते, ये गंगा सेवा दूत तुरंत उसे निकालकर नदी को साफ कर देते।

गंगा और यमुना की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए करीब 2000 गंगा सेवा दूतों को सभी सेक्टर्स में बने घाटों पर नियुक्त किया गया है। इन सभी गंगा सेवा दूतों को मेला प्रशासन की



ओर से भी ट्रेन्ड भी किया गया है। महाकुम्भ के पहले दिन सभी गंगा सेवा दूत अपनी नियत द्युटी पर तैनात रहे और श्रद्धालुओं के लिए नदियों को

स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे।

स्काउट एंड गाइड के वॉलंटियर्स भी दिखे तत्पर:

## सहारनपुर में तीन बच्चों संग दंपती ने खाया जहर, हालत गंभीर

टीम एक्शन इंडिया

सहारनपुर: गागलहेड़ी थानाक्षेत्र के देहरादून-हाईवे पर सोमवार को बाइक सवार दंपती ने अपने तीन बच्चों संग जहर खा लिया। राहगीरों द्वारा देखे जाने पर गंभीर हालत में सभी को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। राहगीरों ने देहरादून की ओर से आती एक प्राइवेट गाड़ी से सभी को पहले नजदीकी हरोड़ा

सीएचसी पर पहुंचाया, जहां पर चिकित्साकों ने सभी की जांच कर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। गंभीर हालत में महिला ने बताया की उसका नाम रजनी है



और पति का नाम विकास, जो नन्दी फिरोजपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने बेटी परी (06), पलक (03) व बेटा विवेक डेढ़ वर्ष के साथ कर्ज से परेशान होकर जहर

खा लिया है। पांच लोगों के जहरीला पदार्थ खाने की सूचना मिलते ही एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने अस्पताल पहुंचकर पीडितों का हाल लिया।

## बिछड़ों को मिलाने के लिए घाटों पर ही की गई व्यवस्था

टीम एक्शन इंडिया

महाकुम्भ नगर: अंबिकापुर

छातीसगढ़ के रहने वाले शिवम और युवराज भूले भट्के शिविर में पहुंचे, यहां श्याम शमी आपका इंतजार कर रहे हैं। आप इस समय जहां भी हैं, वहां तैनात पुलिसकर्मी से रास्ता पूछकर शिविर में पहुंचे। यिनकी की ममी जहां कहीं भी हों, वो ब्रिज नंबर 1 पर आ जाएं।

महाकुम्भ के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर संगम तट से लेकर सभी घाटों पर इसी तरह की आवाजें सुनाई देती रहीं। इस अनाऊंसेमेंट के थोड़ी दे



सुनाई देती रहीं। पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व के दिन सोमवार को घाटों के

सभी घाटों पर अनाऊंसेमेंट, तुरंत मिल रही राहत: महाकुम्भ मेला

इनकी मदद के लिए एंड गाइड भी तत्पर थे स्वयं सेवा के तम सुस्तंदी से कार्य करने सोनभद्र के स्काउट आरिफ ने बताया यहां आ गई थी। उमिजापुर, वाराणसी स्काउट एंड गाइड मिलाकर 91 लोग में लगे हुए हैं। इसके बाकायदा ट्रेनिंग भी 45 दिनों में कुल 200 स्काउट एंड गाइड महाकुम्भ में अपनी हर हफ्ते 250-25 पर पहुंचेंगे। उनके खाने-पीने के लिए

आगिन लखनऊ



टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ: लखनऊ नानक गर्ल्स डिप्री प्रांगण में पवित्र अंतिम तिल डालकर लोहा गया। पवित्र अग्नि छात्राओं, अध्यात्मिक और तिल डालकर प्रार्थना की। प्राचार्य गर्ग ने लोहड़ी पर्व के अव जैसे काले तिल जारी की वैसे अज्ञानता व पांच जीवन से शमन होते सर कर्मों के प्रति एवं पारिवारिक वं प्राप्त कर सकें। उन्हें इस कार्यक्रम की परुपरेखा प्रबन्धन से

